

पत्रावली पेशदुरी। उमय-पक्ष उपस्थित।
 ठरुणार निषेधात्ता जंपत्र पर उमय-पक्ष ठरुणार
 की वदस सुनी गनी। वाद वदुलता व विवाद के
 कारण वाम त्रिवारु तदसील- जयपुर स्थित
 शाला सं० १५६ पुराना ॥७ के सं-नम्ब ३२३,
 ३२९, ३३० व ३७० कुल कीतां ५ कुल स्वका
 ०४ बीघा उबिस्वा अन्तर्गत ता-वाद निस्कारण
 तक मौके व सजस्व रिवाड की मन्थारिन्धति
 वनाये रखने हेतु ठरुणार निषेधात्ता से
 पाबन्द किया जाता है। पत्रावली पेशल सुभा
 नम्ब १६६ के अन्तर्गत है। निषेध सुनाया गया।

३

कांठी जाठ
 उमय स्वयं अधिकारी
 जयपुर (प्रथम) जयपुर